Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 27 August 2024

Dainik Jagran
Page - 04

टापर्स सूची में छात्राओं का दबदबा बरकरार

साल-दर-साल बढ़ती जा रही पदकों में छात्राओं की भागीदारी, अबकी बार 87 पार

डा. राकेश राय • जागरण

दीक्षा समारोहवार स्वर्ण पदकों में छात्राओं की भागीदारी

दीक्षा समारोह	कुल	छात्र	छात्रा	प्रतिशत
43वां (2024)	55	07	48	87.22
42वां (2023)	54	14	40	74.07
41वां (2022)	46	07	39	87.78
40वां (2021)	46	13	33	71.73
39वां (2020)	54	18	36	66.66
38वां (2019)	43	15	28	65.11
37वां (2018)	53	13	40	75.47
36वां (2017)	47	11	36	76.59
35वां (2016)	44	12	32	72.72

गोरखपुर : महिला सशक्तीकरण को लेकर सरकारी और गैर सरकारी संगठनों की ओर से चलाए जा रहे अभियान की सार्थकता और सफलता का मूल्यांकन करने का मन हो तो तो आप दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के बीते एक दशक के टापर्स का रिकार्ड जरूर देखिए। आपको विश्वास हो जाएगा कि यह अभियान कम से कम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पूरी तरह सार्थक व सफल है। यहां के टापरों की सूची में साल-दर-साल छात्राओं का दबदबा बढ़ता गया है। भागीदारी का प्रतिशत 65 से चढ़कर 87 के पार तक पहुंच गया है।

इस वर्ष कुल 55 टापरों को स्वर्ण पदक दिया जाना है, उसमें 48 पदक छात्राएं के हिस्से आए हैं। मात्र सात छात्र सूची में अपनी जगह बना पाएं हैं। बीते एक दशक में दीक्षा समारोह के दौरान दिए जाने वाले स्वर्ण पदकों की सूची का अगर अध्ययन किया जाए तो यह साफ हो जाएगा कि छात्राओं से मुकाबले में छात्र निरंतर पिछड़ते जा रहे हैं। इस वर्ष तो छात्राओं का वर्चस्व कायम हो गया है। तीन वर्ष पहले जब 2021 में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल 40वें दीक्षा समारोह की अध्यक्षता करने आईं तो उस वर्ष टापर्स की सूची में 46 में 33 छात्राओं की भागीदारी से आश्चर्यचकित हो गईं। उस समय उन्होंने वहां तक कह डाला कि यदि छात्र चेते नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब टापरों की सूची में पुरुषों का नाम खोजना पड़ेगा। आखिरकार 43वें दीक्षा समारोह में यह स्थिति आ ही गई। वास्तव में छात्रों के नाम खोजने पड़ रहे क्योंकि इनकी संख्या मात्र सात है।

पूर्व कुलाधिपति राम नाइक भी दे चुके हैं छात्रों को आगे बढ़ने की सलाह

पूर्व कुलाधिपति राम नाइक भी टापरों की सूची में छात्राओं की संख्या देखकर छात्रों को टोका करते थे। इसे लेकर कई बार वह मंच से छात्रों के ऊपर तंज करते हुए उन्हें आगे आने की सलाह देते थे। हालांकि इन आंकड़ों को वह नारी सम्मान से भी जोड़ने से नहीं चूकते थे। उनके तंज इस वर्ष के टापरों की सूची में छात्रों की न्यूनतम संख्या देखकर फिर याद आ रहे हैं।

टापरों की सूची में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी अच्छी बात है लेकिन छात्र मुकाबले में खड़े भी नजर न आएं, यह ठीक नहीं। सामाजिक संतुलन के लिए दोनों की बराबर की भागीदारी जरूरी है। मैं छात्रों को मंच से प्रेरित करूंगी कि इस बार की सूची से सबक लेकर वह अगले दीक्षा समारोह की टापर सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएं। इसके लिए तत्काल प्रभाव से लग जाएं।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय में होगा कवि सम्मेलन छात्रों को भी मिलेगा अवसर

- 43वें दीक्षा समारोह के उपलक्ष्य में दीक्षा भवन में होगा आयोजन
- रचना सुनाने के लिए छात्रों का 24 अगस्त को हो चुका है चयन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षा समारोह को लेकर आयोजित समारोह सप्ताह के तहत आज यानी मंगलवार को दीक्षा भवन में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मल्ल ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में रचनापाठ के लिए पूर्वांचल के मशहूर कवि देवेंद्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जयप्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशिला सिंह, चेतना पांडेय, आकृति विज्ञा अर्पण और वसीम मजहर को आमंत्रित किया गया है। अपनी रचना सुनाने का अवसर विश्वविद्यालय के छात्रों को भी दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया 24 अगस्त को पूरी कर ली गई है। आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन की उपस्थिति रहेगी।

गोवि में रिक्त सीटों पर अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

जासं, गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की दूसरी काउंसिलिंग के बाद रिक्त रह गई सीमित सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। कुछ पाठ्यक्रमों में एक बार फिर आवेदन का अवसर दिया गया है जबकि शेष पाठ्यक्रमों में 28 अगस्त से अंतिम चरण की काउंसिलिंग के लिए च्वाइस लाक की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों जैसे उर्दू, दर्शनशास्त्र, मंच कला, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा अध्ययन, फूड टेक्नालोजी, एमएजेएमसी, एमए (योग), डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट पाठ्यक्रम की रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभ्यर्थी 30 तक आवेदन कर सकते हैं।

इसके अलावा एमएससी एक्वाकल्चर में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणि विज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को प्लांट बायोटेक्नालोजी व बायो इन्फार्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालाजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है।

स्नातक में दो विषयों की नहीं होगी मौखिक परीक्षा

- मौखिक परीक्षा की जगह एमसीक्यू से होगा छात्र की मौखिक क्षमता का मूल्यांकन
- परीक्षा में धांधली रोकने को लेकर गोरखपुर विश्वविद्यालय ने की एक और पहल

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा में धांधली रोकने के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा प्रणाली में एक और महत्वपूर्ण बदलाव करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने स्नातक स्तर पर राजनीतिशास्त्र व समाजशास्त्र विषय में मौखिक परीक्षा की व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। इसके स्थान पर एमसीक्यू (वैकल्पिक उत्तर वाले प्रश्न) आधारित परीक्षा होगी। यानी अब इन विषयों में विद्यार्थियों की मौखिक क्षमता का मूल्यांकन एमसीक्यू परीक्षा के जरिये किया जाएगा।

कुशीनगर के किसान पीजी कालेज कालेज में प्रायोगिक व मौखिक परीक्षा से पहले ही बना वाह्य परीक्षक की अनुमति के बिना अंक चढ़ा दिए जाने के मामले को विश्वविद्यालय प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए परीक्षा प्रणाली में जरूरी बदलाव शुरू किया है। इस क्रम में बीते दिनों विश्वविद्यालय ने परीक्षकों का निर्धारण साफ्टवेयर के जरिये करने की व्यवस्था बना दी। इसके अलावा नंबर चढ़ाने में ओटीपी व्यवस्था लागू कर दी।

बदलाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए ही राजनीतिशास्त्र व समाजशास्त्र विषय में मौखिक परीक्षा की व्यवस्था को समाप्त किया है। विश्वविद्यालय का मानना है कि स्नातक स्तर पर इन विषयों में मौखिक परीक्षा की कोई जरूरत नहीं। एमसीक्यू परीक्षा के जरिये विद्यार्थियों का मूल्यांकन ज्यादा बेहतर तरीके से किया जा सकता है। इससे विश्वविद्यालय से लेकर कालेजों तक के शिक्षकों का समय बचेगा। परीक्षा की शुचिता पर सवाल नहीं उठने पाएगा। इसके अलावा एमसीक्यू परीक्षा के जरिये विद्यार्थियों का अभ्यास प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए होगा, क्योंकि ज्यादातर प्रतियोगी परीक्षाएं एमसीक्यू आधारित ही होती हैं।

बिना प्रैक्टिकल वाले हर विषय पर लागू होगी यह व्यवस्था

विश्वविद्यालय ने फिलहाल तो स्नातक में सर्वाधिक पढ़े जाने वाले विषय राजनीति विज्ञान व समाजशास्त्र विषय पर ही मौखिक परीक्षा की जगह एमसीक्यू परीक्षा का निर्णय लिया है लेकिन बहुत जल्द अन्य बिना प्रैक्टिकल वाले विषयों पर भी यही परीक्षा प्रणाली लागू होगी। इसे लेकर मंथन हो शुरू हो गया है। बहुत जल्द परिणाम सामने आएगा। कुछ और विषयों को इस नए नियम के दायरे में लाया जाएगा।

छात्रहित में किया बदलाव : कुलपति

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि बिना प्रैक्टिकल वाले विषयों में स्नातक स्तर पर मौखिक परीक्षा की कोई जरूरत नहीं। ऐसे में इन विषयों में मौखिक परीक्षा समाप्त किए जाने की संभावना पर मंथन हुआ है। मंथन में इसे गैरजरूरी पाते हुए, इसके स्थान पर एमसीक्यू परीक्षा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजनीति विज्ञान व समाजशास्त्र विषय पर इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। परीक्षा की शुचिता एवं छात्रहित को देखते हुए बदलाव किया गया है।

Amar Ujala
Page - 07

एबिलिटी, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के लिए मिलेगा ऑनलाइन कंटेंट

गोरखपुर विश्वविद्यालय : कॉलेजों को भी उपलब्ध कराया जाएगा कंटेंट, विद्यार्थियों की होगी क्षमता वृद्धि

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) शामिल किया गया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराएगा। यह विश्वविद्यालय के साथ कॉलेज के छात्रों को भी मिलेगा।

स्नातक के विद्यार्थी इस सत्र से वोकेशनल और को-करिकुलर नहीं स्किल एवं एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे। इसके अंतर्गत पहले सेमेस्टर में भारतीय ज्ञान प्रणाली, दूसरे में सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस), तीसरे में भारतीय भाषाएं और चौथे सेमेस्टर में सामयिक महत्व के विषय पढ़ाए जाएंगे। इसके लिए पहले से कोई पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध नहीं थी। इसलिए कॉलेजों की मांग थी कि कंटेंट उपलब्ध कराया जाए।

ऑनलाइन क्लास की भी तैयारी : क्षमता और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय पहले वीडियो और ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराएगा। इसके बाद ऑनलाइन कक्षाएं भी संचालित हो सकती हैं। नाथपंथ और दीनदयाल उपाध्याय से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट पहले से ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मौजूद हैं।

शुरुआती चार सेमेस्टर में होगी पढ़ाई

पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः दो और तीन क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर तो एईसी को पहले चार सेमेस्टर में पढ़ना होगा। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों की क्षमता और कौशल को बढ़ाना व उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना है।

एनईपी 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स शामिल किए गए हैं। इसके लिए ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय परिसर के अलावा कॉलेजों के भी विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

- प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

13 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा आवेदन शुरू

डीडीयू : रिक्त सीटों पर अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमए उर्दू, संस्कृत, अर्थशास्त्र समेत 13 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा ऑनलाइन आवेदन शुरू किया गया है। इसमें सीटें खाली रह गई थीं, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने दोबारा पोर्टल खोलने का फैसला लिया। इसके अलावा अन्य पाठ्यक्रमों में दूसरी काउंसलिंग के बाद खाली रह गईं सीटों के लिए भी अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई।

अंतिम चरण की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन च्वॉइस लॉक की प्रक्रिया 28 से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगी। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि एमए उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफॉर्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन, एमएससी फूड टेक्नालॉजी, एमएजेएमसी, एमए (योग) और डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग एवं डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अंतिम तिथि 30 अगस्त है।

इन अभ्यर्थियों को एक और मौका : प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि एमएससी एक्वाकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणि विज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, प्लांट बायोटेक्नालॉजी एवं बायो इन्फार्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालॉजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इलेक्ट्रॉनिक्स की खाली सीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्त सीटों के लिए बीएससी जीवविज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर 30 अगस्त तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

डीडीयू में कवि सम्मेलन और मुशायरा आज

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को दीक्षा भवन में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मल्ल ने बताया कि हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं संस्कृत भाषा में करीब दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने 24 अगस्त को हुए कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, जिनमें से चुने हुए कवि सहभागिता करेंगे। काव्य गोष्ठी के लिए प्रख्यात कवि और शायरों को भी आमंत्रित किया गया है, जिनमें से मुख्य रूप से देवेंद्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जयप्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशीला सिंह, चेतना पांडेय, वसीम मजहर, आकृति विज्ञ अर्पण अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। आयोजन की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन होंगी। संवाद

Hindustan
Page - 05

गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया कल से

मिशन एडमिशन

- रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए 28 से 30 अगस्त तक कर सकेंगे ऑनलाइन चॉइस लॉक
- जिन विषयों में थे सीटों से कम आवेदन, वहां प्रवेश के लिए फिर से शुरू हुई प्रक्रिया

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में विभिन्न कक्षाओं में रिक्त सीटों क लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई। जिन विषयों में सीटों से कम आवेदन आए थे, उनमें प्रवेश के लिए दोबारा आवेदन का अवसर दिया गया है, जबकि अन्य पाठ्यक्रमों में काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन चॉइस लॉक की प्रक्रिया 28 अगस्त से शुरू होगी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि कैंपस में पीजी के उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफार्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा एवं स्त्रातिजक अध्ययन, फूड टेक्नोलॉजी, एमजेएमसी, एमए (योग) तथा डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए सोमवार से प्रवेश पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः आरंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 30 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं।

इसी तरह एमएससी एक्वाकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणि विज्ञान की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी एवं बायो इंफार्मेटिक्स की रिक्त सीटों के लिए एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स की रिक्त सीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्त सीटों के लिए बीएससी जीव विज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में शामिल रहे अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। ऐसे अभ्यर्थी 30 अगस्त तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

अंतिम काउंसलिंग प्रक्रिया 28 से : जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा सम्पन्न हुई है, ऐसे सभी पाठ्यक्रमों (बीपीटी, एमएलटी, बीपीएड को छोड़कर) में विश्वविद्यालय परिसर एवं संयुक्त प्रवेश परीक्षा में शामिल कॉलेजों की रिक्त शेष सीटों के लिए अंतिम काउंसलिंग की प्रक्रिया 28 अगस्त से शुरू होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 अगस्त तक ऑनलाइन चॉइस लॉक कर सकते हैं।

प्रमुख कॉलेजों में भी रिक्त रह गई हैं सीटें

- **सेंट एंड्रयूज कॉलेज** : प्राचार्य प्रो. सीओ सैमुएल ने बताया कि बीए में कुल 720 में से करीब 200 सीटें अभी भी रिक्त हैं। बीएससी गणित और एमएससी गणित में भी कुछ सीटें रिक्त हैं। एमए हिन्दी, राजनीति शास्त्र, भूगोल, अंग्रेजी और समाजशास्त्र में भी सीटें रिक्त हैं।
- **महात्मा गांधी पीजी कॉलेज** : जनसंपर्क अधिकारी डॉ नितिन बख्शी ने बताया कि बीएससी गणित, बीकॉम और एमएससी गणित में कुछ सीटें रिक्त रह गई हैं।
- **दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज** : सूचना एवं जनसंपर्क प्रभारी डॉ शैलेश सिंह ने बताया कि बीएससी गणित में कुछ सीटें रिक्त हैं। एमए राजनीति शास्त्र, हिन्दी, समाजशास्त्र, भूगोल, शिक्षाशास्त्र और प्राचीन इतिहास में कुछ सीटें रिक्त रह गई हैं।
- **डीएवी पीजी कॉलेज** : प्राचार्य प्रो. शैल पाण्डेय ने बताया कि एमएससी बॉटनी, एमए इतिहास और राजनीति शास्त्र में कुछ सीटें रिक्त रह गई हैं। बीए, बीएससी, बीकॉम और बीसीए में भी सीटें रिक्त हैं। रिक्त सीटों पर अभ्यर्थी 4 सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं।

रिसर्च | गोरखपुर और लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के शिक्षकों को सुपर हैलोजन से हाइड्रोजन के नए कंपाउंड को स्थिर करने में मिली सफलता

ऊर्जा का नया स्रोत बनेगा हाइड्रोजन, नियंत्रित करेगा सुपर हैलोजन

■ ईश्वर सिंह

गोरखपुर। ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों पेट्रोलियम, कोयला, लकड़ी आदि से प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। स्वच्छ ऊर्जा के प्रयोग को लेकर तमाम शोध हो रहे हैं। इस लिहाज से एक अच्छी खबर है कि हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का नया स्रोत हो सकता है। हाइड्रोजन पर्याप्त मात्रा में पर्यावरण में मौजूद है और इससे ऊर्जा उत्पन्न करने में प्रदूषण नहीं होगा। इस दिशा में गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान के शिक्षक को अहम सफलता मिली है।

गोविवि के भौतिक विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव ने सुपर एटम (सुपर हैलोजन) की मदद से हाइड्रोजन के कंपाउंड को स्थिर करने में सफलता हासिल की है। सुपर कंप्यूटर से हुई गणना में यह प्रयोग सफल रहा है। इस तरह की रिसर्च पहली बार हुई है। शोध में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज मिश्र और डीडीयूजीयू की शोध छात्रा हर्षिता श्रीवास्तव शामिल हैं। रिसर्च पेपर अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के जर्नल इनआर्गेनिक केमिस्ट्री में प्रकाशित हुआ है।

जटिल है हाइड्रोजन का स्टोरेज : डॉ. अंबरीश ने बताया कि हाइड्रोजन गैस ऊर्जा का एक स्वच्छ माध्यम है। यह धरती पर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इस ऊर्जा का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। इसमें कई व्यावहारिक समस्याएं हैं। सबसे बड़ी समस्या है हाइड्रोजन का पर्याप्त संचय होना और संचित हाइड्रोजन का आवश्यकतानुसार उपलब्ध न हो पाना। इसकी प्रकृति अस्थिर है। इस वजह से इसका स्टोरेज कठिन है। इसे ऊर्जा में तब्दील करने की प्रक्रिया भी बेहद जटिल है।

हाइड्रोजन के सहज प्रयोग पर रिसर्च शुरू : डॉ. अंबरीश ने बताया कि सुपर एटम की मदद से तैयार नया यौगिक कमरे के तापमान पर स्थायी है। हालांकि, इसका व्यावहारिक प्रयोग होना शेष है। सुपर एटम के इस्तेमाल से इसके विघटन को रोका जा सकता है। दूसरे चरण में इसके सहज प्रयोग के विकल्प पर रिसर्च शुरू हुई है। इसमें संचित हाइड्रोजन को पदार्थ में बदल कर स्टोर किया जाएगा। फिर उसे नियंत्रित विघटन से ऊर्जा में परिवर्तित किया जाएगा।

डॉ. अम्बरीश कुमार श्रीवास्तव

■ रिसर्च पेपर अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के जर्नल इनआर्गेनिक केमिस्ट्री में प्रकाशित

आठ वर्ष से चल रही है रिसर्च

डॉ. अंबरीश ने बताया कि इस दिशा में शोधकार्य वर्ष 2016 से कर रहे हैं। इस नए शोध से बने यौगिक में हाइड्रोजन 20 से 24 फीसदी तक संचित हो सकता है।

सुपर हैलोजन है कॉम्प्लेक्स मॉडल

सुपर हैलोजन दरअसल पदार्थ और उसके अणु के बीच की कड़ी है। यह एक जटिल परमाणुओं का स्ट्रक्चर होता है। इसमें इलेक्ट्रान की संख्या कम होती है। इसका व्यवहार हैलोजन ग्रुप के तत्व फ्लोरीन, क्लोरीन, ब्रोमीन और आयोडीन तत्व की तरह होता है।

इलेक्ट्रॉन को आकर्षित करता है सुपर हैलोजन

प्रयोग के लिए अमोनियम बोरोहाइड्राइड का प्रयोग होगा। इसके एक अणु में हाइड्रोजन के आठ परमाणु होते हैं। अमोनियम बोरोहाइड्राइड का अमोनिया-बोरेन में विघटन होने से वह कमरे के तापमान में अस्थिर होता है। अमोनियम बोरोहाइड्राइड के अणु को स्थिर करने के लिए सुपर हैलोजन का प्रयोग किया गया। सुपर हैलोजन को अत्यधिक इलेक्ट्रॉन एफिनिटी के लिए जाना जाता है। इसके संपर्क में आने के बाद अमोनियम तेजी से आकर्षित होने लगे। दोनों को मिलाने के बाद बने नए कंपाउंड को कमरे के तापमान पर भी स्थिर रखा जा सका।

कौशल संवर्धन कोर्स के लिए मिलेगा ऑनलाइन कंटेंट

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) शामिल किया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराएगा।

स्नातक के विद्यार्थी इस सत्र से वोकेशनल और को-करिकुलर की जगह स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे। नाथपंथ और दीनदयाल उपाध्याय से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट पहले से ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मौजूद है। इसके अलावा नए पाठ्यक्रम हैं। नए पाठ्यक्रमों के लिए पहले से कोई सामग्री उपलब्ध नहीं थी। अब डीडीयू प्रशासन ने इस पर तस्वीर साफ की है। इन पाठ्यक्रमों के लिए पहले वीडियो और ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑनलाइन कक्षाएं भी संचालित करने की योजना है। क्षमता और कौशल संवर्धन के ये पाठ्यक्रम प्रथम और द्वितीय वर्ष में ही पढ़ने हैं। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स शामिल किए गए हैं।

डीडीयू में कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के तहत मंगलवार को दीक्षा भवन में पूर्वाह्न 11:30 बजे से कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन होंगी।

कार्यक्रम संयोजक प्रो. राजेश मल्ल ने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ ही प्रतिष्ठित कवि एवं शायरों को भी आमंत्रित किया गया है। इसमें देवेंद्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जय प्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशीला सिंह, चेतना पांडेय, वसीम मजहर, आकृति विज्ञ अर्पण अपनी रचनाओं का पाठ करेंगी।

Rashtriya Sahara
Page - 07

विवि में रिक्त सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश की दूसरी काउन्सिलिंग के बाद रिक्त रह गई सीमित सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू हो गई।

इसके अंतर्गत कुछ पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों को एक बार पुनः आवेदन का अवसर दिया गया है जबकि शेष पाठ्यक्रमों में 28 अगस्त से अंतिम चरण की काउंसलिंग के लिए आनलाइन च्वाइस लाक की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों यथा उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफार्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा एवं स्त्रातिजक अध्ययन, फूड टेक्नालॉजी, एमएजेएमसी, एमए (योग) तथा डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेण्ट में रिक्तसीटों पर सीधे प्रवेश के लिए आज से प्रवेश पोर्टल पर ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः आरंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 30 अगस्त 2024 तक अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार एमएससी एकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्तसीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणिविज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री की रिक्तसीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, प्लाण्ट बायोटेक्नालॉजी एवं बायो इन्फार्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालॉजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इलेक्ट्रानिक्स की रिक्तसीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्तसीटों के लिए बीएससी जीवविज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। ऐसे सभी इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर दिनांक 30 अगस्त तक अपना आवेदन कर सकते हैं। इसी क्रम में जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा सम्पन्न हुई है ऐसे सभी पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों की रिक्तशेष सीटों हेतु अन्तिम काउन्सिलिंग की प्रक्रिया 28 अगस्त से प्रारम्भ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 अगस्त तक आनलाइन च्वाइस लाक कर सकते हैं।

■ इच्छुक अभ्यर्थी 30 अगस्त तक आनलाइन च्वाइस लाक कर सकते हैं : प्रो. हर्ष

कवि सम्मेलन व मुशायरा आज

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो

दीदउ गोविवि के 43 वें दीक्षांत समारोह में 27 अगस्त को दीक्षा भवन में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन होगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मल्ल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं संस्कृत भाषा में करीब दो दर्जन से अधिक कैम्पस के छात्र-छात्राओं ने 24 अगस्त को प्रतिभाग किया जिसमें से चुने हुए प्रतिभागी कवि छात्र सहभागिता करेंगे। इसी क्रम में काव्य गोष्ठी के लिए प्रख्यात कवि तथा शायरों को भी आमंत्रित किया गया है जिनमें से देवेन्द्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जयप्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशीला सिंह, चेतना पाण्डेय, वसीम मजहर, आति विज्ञ अर्पण अपनी रचनाओं का पाठ करेंगी। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. पूनम टंडन कुलपति दीदउ गोविवि होगी।

एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में प्रवेश का एक और मौका

■ गोरखपुर।

सहारा न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर विवि ने रसायन विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को एक और मौका देने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत प्रवेश पोर्टल को तीन दिनों (26 से 28 अगस्त) के लिए पुनः ओपन किया गया है।

उक्त आवेदन के लिए वे अभ्यर्थी जिन्होंने विवि के एमएससी केमिस्ट्री प्रोग्राम में एंट्रेंस एग्जाम दिया है व कतिपय कारणों से प्रवेश नही ले पाए हों, वे विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर निर्धारित साधारण शुल्क सब्मिट करने के पश्चात एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री के आवेदन का आप्शन देकर प्रवेश के लिए पुनः आमंत्रित किये गए है। उक्त आवेदन व प्रवेश प्रक्रिया का लिंक व अन्य जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है।

Amar Ujala Select
Page - 04

डीडीयू : एबिलिटी और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स के लिए मिलेगा ऑनलाइन कंटेट

पाठ्यक्रमों का ऑनलाइन कंटेंट कॉलेजों को भी दिया जाएगा

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम) शामिल किया है। इन दोनों पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराएगा। यह विश्वविद्यालय परिसर और कॉलेज के छात्रों के लिए उपलब्ध होगा।

स्नातक के विद्यार्थी इस सत्र से वोकेशनल और को-करिकुलर नहीं स्किल और एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स पढ़ेंगे। एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स के तहत पहले सेमेस्टर में विद्यार्थी भारतीय ज्ञान प्रणाली, दूसरे में सह-पाठ्यक्रम (जैसे खेल, एनसीसी, एनएसएस), तीसरे में भारतीय भाषाएं और चौथे में सामयिक महत्व के विषय पढ़ेंगे। इनके लिए पहले से कोई पठन सामग्री उपलब्ध नहीं थी। ऐसे में कॉलेजों की भी मांग थी कि इसके लिए कंटेंट उपलब्ध कराया जाए।

वीडियो के साथ ऑनलाइन क्लास भी : क्षमता और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय पहले वीडियो और ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराएगा। इसके बाद ऑनलाइन कक्षाएं भी संचालित हो सकती हैं। नाथपंथ और दीनदयाल उपाध्याय से जुड़े ऑनलाइन कंटेंट पहले से ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर मौजूद है।

पहले दो साल तक पढ़ना होगा कोर्स : पाठ्यक्रम का हिस्सा होने की वजह से विश्वविद्यालय ने पहले चार सेमेस्टर में क्रमशः 2 और 3 क्रेडिट्स के एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स (एईसी) और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स (एसईसी) पेश किए हैं। एसईसी पहले तीन सेमेस्टर तो एईसी को पहले चार सेमेस्टर में पढ़ना होगा।

> एनईपी 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में एबिलिटी और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स शामिल किए गए हैं। इसके लिए ऑनलाइन कंटेंट उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय परिसर के अलावा कॉलेजों के भी विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।
>
> - प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

13 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा आवेदन शुरू

रिक्त सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमए उर्दू, संस्कृत, अर्थशास्त्र समेत 13 पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दोबारा ऑनलाइन आवेदन शुरू किया गया है। इसमें सीटें खाली रह गई थीं, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने दोबारा पोर्टल खोलने का फैसला लिया। साथ ही दूसरी काउंसलिंग के बाद खाली रह गई सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई।

अंतिम चरण की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन चॉइस लॉक की प्रक्रिया 28 अगस्त से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगी। प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. हर्ष सिन्हा ने बताया कि एमए उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफॉर्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन, एमएससी फूड टेक्नालॉजी, एमएजेएमसी, एमए (योग) और डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थी प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसकी अंतिम तिथि 30 अगस्त निर्धारित है।

इन अभ्यर्थियों को एक और मौका : प्रो. हर्ष ने बताया कि एमएससी एक्वाकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणिविज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी एवं बायो इन्फॉर्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालॉजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इलेक्ट्रानिक्स की खाली सीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्त सीटों के लिए बीएससी जीवविज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। ऐसे सभी इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर 30 अगस्त तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

कवि सम्मेलन और मुशायरा आज

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को दीक्षा भवन में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. राजेश मल्ल ने बताया कि हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं संस्कृत भाषा में करीब दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने 24 अगस्त को हुए कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, जिनमें से चुने हुए कवि सहभागिता करेंगे। काव्य गोष्ठी के लिए प्रख्यात कवि और शायरों को भी आमंत्रित किया गया है, जिनमें से मुख्य रूप से देवेंद्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जयप्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशीला सिंह, चेतना पांडेय, वसीम मजहर, आकृति विज्ञ अर्पण अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। आयोजन की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. पूनम टंडन होंगी।

Swatantra Chetna
Page - 05

वि.वि. में रिक्त सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश की दूसरी काउन्सिलिंग के बाद रिक्त रह गई सीमित सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू हो गई इसके अंतर्गत कुछ पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों को एक बार पुनः आवेदन का अवसर दिया गया है जबकि शेष पाठ्यक्रमों में 28 अगस्त से अंतिम चरण की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन चॉइस लॉक की प्रक्रिया शुरू होगी प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 हर्ष सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों यथा उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफार्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, साख्यिकी, रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन, फूड टेक्नालॉजी, एमएजेएमसी, एमए (योग) तथा डिप्लोमा इन ज्योतिष, वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेण्ट में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए आज से प्रवेश पोर्टल पर ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः आरंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 30 अगस्त तक अपना आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इसी प्रकार विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार एमएससी एक्वाकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणिविज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को, प्लाण्ट बायोटेक्नालॉजी एवं बायो इन्फार्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालॉजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इलेक्ट्रानिक्स की रिक्त सीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्त सीटों के लिए बीएससी जीवविज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। ऐसे सभी इच्छुक अभ्यर्थी विष्वविद्यालय के प्रवेष पोर्टल पर दिनांक 30 अगस्त तक अपना आवेदन कर सकते हैं इसी क्रम में जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेष परीक्षा सम्पन्न हुई है ऐसे सभी पाठ्यक्रमों (बी पी टी /एम एल टी /बी .पी .एड को छोड़कर) में विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों की रिक्त शेष सीटों हेतु अन्तिम काउन्सिलिंग की प्रक्रिया 28 अगस्त से प्रारम्भ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 अगस्त तक ऑनलाइन चॉइस लॉक कर सकते हैं।

एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में प्रवेश के लिए एक और मौका

दी० द० उ० गोरखपुर विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को एक और मौका देने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत प्रवेश पोर्टल को तीन दिनों (26 से 30 अगस्त) के लिए पुनः ओपन किया गया है / उक्त आवेदन के लिए वे अभ्यर्थी जिन्होंने विश्वविद्यालय के एमएससी केमिस्ट्री प्रोग्राम में एंट्रेंस एग्जाम दिया है व कतिपय कारणों से प्रवेश नही ले पाए हो, वे विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर निर्धारित साधारण शुल्क सबमिट करने के पश्चात एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री के आवेदन का आप्शन देकर प्रवेश के लिए पुनः आमंत्रित किये गए है / उक्त आवेदन व प्रवेश प्रक्रिया का लिंक व अन्य जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है /

बैंक में बजा अचानक ईमरजेंसी सायरन

स्वतन्त्र चेतना

सहजनवां / गोरखपुर। नगर पंचायत घघसरा स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा मंझरिया में अचानक सोमवार दिन में अपराह्न बाद अचानक ईमरजेंसी सायरन बजने लगा। यायरन की आवाज सुनकर ग्राहकों में अफरा-तफरी मच गयी। समय रहते बैंक कर्मी सायरन बंद किए तब स्थित सामान्य हुई।

बता दें कि- पंजाब नेशनल बैंक शाखा में इमरजेंसी सायरन अचानक कई बार बजते रहते हैं, इसका स्थाई समाधान बैंक कर्मी नही निकल पा रहे हैं। इसी प्रकार विगत तीन वर्ष पहले सायरन बजा था और बैंक में भीषण आग लग गई थी।

Nirbhik India
Page - 03

गोरखपुर विश्वविद्यालय में होगा काव्य संगोष्ठी

गोरखपुर, संवाददाता-

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 43 वें दीक्षांत समारोह में दिनांक 27 अगस्त को दीक्षा भवन में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन होगा। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर राजेश मल्ल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू एवं संस्कृत भाषा में करीब दो दर्जन से अधिक कैम्पस के छात्र - छात्राओं ने दिनांक 24 अगस्त को प्रतिभाग किया जिसमें से चुने हुए प्रतिभागी कवि छात्र सहभागिता करेंगे। इसी क्रम में काव्य गोष्ठी के लिए प्रख्यात कवि तथा शायरों को भी आमंत्रित किया गया है जिनमें से मुख्य रूप से देवेन्द्र आर्य, सरवत जमाल, सुभाष यादव, जयप्रकाश नायक, नुसरत अतीक, चारुशीला सिंह, चेतना पाण्डेय, वसीम मजहर, आकृति विज्ञ अर्पण अपनी रचनाओं का पाठ करेंगी। आयोजन में मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन होगी

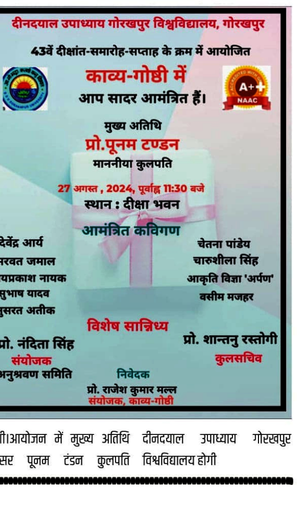

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

43वें दीक्षांत-समारोह-सप्ताह के क्रम में आयोजित

काव्य-गोष्ठी में

आप सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि

प्रो. पूनम टण्डन

माननीया कुलपति

27 अगस्त, 2024, पूर्वाह्न 11:30 बजे

स्थान : दीक्षा भवन

आमंत्रित कविगण

देवेंद्र आर्य
सरवत जमाल
जयप्रकाश नायक
सुभाष यादव
नुसरत अतीक

चेतना पांडेय
चारुशीला सिंह
आकृति विज्ञा 'अर्पण'
वसीम मजहर

विशेष सान्निध्य

प्रो. नंदिता सिंह
संयोजक
अनुश्रवण समिति

प्रो. शान्तनु रस्तोगी
कुलसचिव

निवेदक
प्रो. राजेश कुमार मल्ल
संयोजक, काव्य-गोष्ठी

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने मलेशिया के आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के साथ किया समझौता

गोरखपुर, संवाददाता-

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन के दूरदर्शी नेतृत्व में 22 अगस्त, 2024 को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग में एक नया अध्याय जोड़ा।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने आज आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए जो वर्तमान में भारत और मलेशिया के बढ़ते राजनयिक संबंधों के अनुरूप हैं। 20 अगस्त, 2024 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के माननीय प्रधान मंत्री श्री अनवर इब्राहिम ने कई क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की, जो भारत-मलेशिया संबंधों को बहुस्तरीय और बहुआयामी बनाते हैं।" हमारे विश्वविद्यालयों के बीच यह समझौता ज्ञापन इस दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है, जिससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा।

आईएनटीआई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मलेशिया ने वैश्विक शिक्षा में उल्लेखनीय पहचान हासिल की है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में इसका 556वां स्थान है। इसके अलावा, एशिया 2024 के लिए क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग के अनुसार, आईएनटीआई को इनबाउंड एक्सचेंज छात्रों के लिए एशिया में नंबर एक संस्थान के रूप में मनाया जाता है। प्रोफेसर डॉ. गोह खांग वेन, प्रो वाइस चांसलर, ग्लोबल एंगेजमेंट ने शिक्षा और अनुसंधान के साथ साथ सांस्कृतिक संपर्क और संकाय-छात्र आदान-प्रदान में भी सहयोग की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में गहरी रुचि व्यक्त की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारतीय प्रतिनिधियों को मलेशिया आमंत्रित किया। अपने संबोधन में, कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने पड़ोसी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहले नेपाल, मलेशिया और अब आईएनटीआई विश्वविद्यालय, मलेशिया के संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं दोनों विश्वविद्यालयों ने विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र और संकाय आदान-प्रदान और छात्र इंटर्नशिप के माध्यम से अकादमिक और शोध अंतराल को पाटने पर सहमति व्यक्त की। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य भविष्य के सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देना है जो दोनों देशों में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा। यह समझौता अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संयुक्त कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है जो दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय को लाभान्वित करते हैं। डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ रामवंत गुप्ता ने आईएनटीआई विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और समझौता ज्ञापन के दायरे को रेखांकित किया। उन्होंने डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय भी दिया। आईएनटीआई यूनिवर्सिटी मलेशिया में अंतर्राष्ट्रीय संबंध और सहयोग केंद्र के निदेशक डॉ अरासु रमन ने अपने परिचयात्मक भाषण में अपने संस्थान की अकादमिक और शोध शक्तियों पर प्रकाश डाला।

✸ नही भरी सींट

दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में दाखिला चाहने वाले छात्र-छात्रा के पास एक और मौका

गोरखपुर, संवाददाता-

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर की विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश की दूसरी काउन्सिलिंग के बाद रिक्त रह गई सीमित सीटों के लिए अंतिम चरण की प्रवेश प्रक्रिया आज से शुरू हो गई।

इसके अंतर्गत कुछ पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों को एक बार पुनः आवेदन का अवसर दिया गया है जबकि शेष पाठ्यक्रमों में 28 अगस्त से अंतिम चरण की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन चॉइस लॉक की प्रक्रिया शुरू होगी।

प्रवेश प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो0 हर्ष सिन्हा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कुछ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों यथा उर्दू, दर्शनशास्त्र, परफार्मिंग आर्ट, संस्कृत, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, रक्षा एवं स्त्राजिक अध्ययन, फूड टेक्नालाॅजी, एमएजेएमसी, एमए (योग) तथा डिप्लोमा इन ज्योतिष,वास्तु एंड कर्मकांड, डिप्लोमा इन योग और डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेण्ट में रिक्त सीटों पर सीधे प्रवेश के लिए आज से प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर आनलाइन आवेदन प्रक्रिया पुनः आरंभ कर दी गई है। अभ्यर्थी 30 अगस्त 2024 तक अपना आॅनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार एमएससी एक्वाकल्चर एवं पर्यावरण विज्ञान में रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी प्राणिविज्ञान की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को, इंडस्ट्रियल केमेस्ट्री की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी केमिस्ट्री की प्रवेश परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों को , प्लाण्ट बायोटेक्नालाॅजी एवं बायो इन्फार्मेटिक्स की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए एमएससी बायोटेक्नालाॅजी की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को , इलेक्ट्रानिक्स की रिक्त सीटों के लिए फिजिक्स से तथा बीएससी होम साइंस में रिक्त सीटों के लिए बीएससी जीवविज्ञान और बीएससी गणित की प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को नए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। ऐसे सभी इच्छुक अभ्यर्थी विष्वविद्यालय के प्रवेष पोर्टल पर दिनांक 30 अगस्त 2024 तक अपना आवेदन कर सकते हैं।

इसी क्रम में जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेष परीक्षा सम्पन्न हुई है ऐसे सभी पाठ्यक्रमों (BPT/MLT/B.P.Ed को छोड़कर) में विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों की रिक्त शेष सीटों हेतु अन्तिम काउन्सिलिंग की प्रक्रिया 28 अगस्त से प्रारम्भ होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 30 अगस्त तक ऑनलाइन चॉइस लॉक कर सकते हैं

एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में प्रवेश का आखिरी मौका

दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय में एमएससी इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री में प्रवेश के लिए एक और मौका दी0 द0 उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय ने रसायन विज्ञान विभाग में संचालित एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए इच्छुक अभ्यर्थियों को एक और मौका देने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत प्रवेश पोर्टल को तीन दिनों (26 से 30 अगस्त) के लिए पुनः ओपन किया गया है / उक्त आवेदन के लिए वे अभ्यर्थी जिन्होंने विश्वविद्यालय के एमएससी केमिस्ट्री प्रोग्राम में एंट्रेंस एग्जाम दिया है व कतिपय कारणों से प्रवेश नही ले पाए हो, वे विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर निर्धारित साधारण शुल्क सबमिट करने के पश्चात एमएससी इंडस्ट्रियल-केमिस्ट्री के आवेदन का आप्शन देकर प्रवेश के लिए पुनः आमंत्रित किये गए है / उक्त आवेदन व प्रवेश प्रक्रिया का लिंक व अन्य जानकारी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है